एक नजर में

## लघुकथा संग्रह सरकार कब आएंगे का विमोचन

इंदौर. आईसेक्ट भोपाल द्वारा प्रकाशित, डॉ. नीहार गीते के लघुकथा संग्रह, सरकार कब आएंगे के विमोचन अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे, साहित्य अकादमी भोपाल के निर्देशक डॉ. विकास दबे ने कहा, लघुकथा सूक्ष्म से विस्तार लेती है, एक गंभीर सोच को मारक बना प्रस्तुत करती है. मुख्य-अतिथि, रमन विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. अरुण जोशी ने कहा कि नीहार जी की लघुकथाओं में सामाजिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत संघर्षों का सूक्ष्म विश्लेषण मिलता है. पुस्तक पर चर्चा करते हुए विशेष अतिथि डॉ. संगीता पाठक ने कहा 'सरकार कब आएंगे' एक ऐसा लघुकथा संग्रह है जो आधुनिक जीवन और राजनैतिक ताने-बाने को गहराई से समझने और पाठकों के सामने प्रस्तुत करने का सटीक प्रयास है. लघुकथा शोध केंद्र, भोपाल की निर्देशक डॉ. कांता रॉय ने अपने शुभकामना संदेश में कहा पुस्तक समाजशास्त्र, राजनीति और मानव व्यवहार के शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी है. पुस्तक की रचना प्रक्रिया पर बोलते हुए लेखिका एवं गुजराती कन्या महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्य डॉ. नीहार गीते ने कहा कि, लघुकथा लिखने में संवेदनशीलता ऐसी हो कि दूसरे की पीड़ा से आंसू निकल आएं. ये आंसू ही लघुकथा है. क्षेत्रीय प्रबंधक अभिजीत चौबे ने आभार माना. संचालन वरिष्ठ प्रबंधक महीप निगम ने किया.

## कावड़ यात्रियों का स्वागत, बांटी खिचड़ी

इंदौर. रविवार को ग्राम सोलसिंदा धरमपुरी में अंकुर रिहेब सेंटर के पास कांवड़ यात्रियों को स्वागत किया गया. श्रद्धालु महिलाओं एवं पुरुषों ने खलघाट स्थित मां नर्मदा के तट से पवित्र जल भरकर कावड़ यात्रा उज्जैन पहुंच रहे है. यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु बोल बम के जयघोष के साथ झूमते-गाते हुए शामिल हुए. रास्ते भर जगह-जगह श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया. इस अवसर पर ग्रामवासियों में भारी उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखा गया। धरमपुरी में पांडल लगाकर सेवकों ने कांवड़ियों को दो सौ क्विंटल खिचड़ी, पांच हजार फरियाली मिक्चर, डेढ़ सौ दर्जन केले, 3,600 पानी की बोटलें कांविडयों को वितरित की. इस मौके पर श्री वसंत इंजीयिरिंग से रितेश व्यास, सोनाली व्यास, हेमंत व्यास, दीया व्यास, हार्दिक व्यास, आलोक, रवि भदौरिया व संजय सिंह कुशवाह, लाखनसिंह पंवार, ईश्वर सिंह पंवार, अनिल माली, नंदकिशोर जाट, विष्णुसर सोनी, गोवर्धन सर बोरवाल व हंसराज बन्ना ओर उनकी टीम कांविडयों की सेवा में सहयोग प्रदान किया.

## सावन में यशुदास-लता-मुकेश-रफी के गीतों की झड़ी

इन्दौर. गोविन्दा-गोपाला म्युजिक ग्रुप उषानगर के कलाकारों ने सावन के महिने में गीतों की झड़ी से उपस्थित गीत-संगीत प्रेमियों का मन मोह लिया. इन्दौर प्रेस क्लब के राजेन्द्र माथुर सभागृह में जिद ना करो, अब तो रूको बैनर के तले गीतों की प्रस्तुति में गोपाल पांचाल ने यशुदास के गीत ये रात ना आएगी, चुरा न ले तुमको मौसम ये सुहाना की प्रस्तुति से मन मोह लिया. उनका साथ मंगला जैन ने दिया. देखा एक ख्वाब तो ये सिलसिले हुए कमल चौहान और अनीता चौहान ने प्रस्तुत किया. रिमझिम के गीत सावन गाये रफी के गीत को मनोहर कलम बेलकर ने प्रस्तुति दी. बरखा रानी जरा जम के बरस गीत को महेश पलोड़ ने स्वर दिये. पतझड़ सावन बसंत बहार की प्रस्तुति अनिल यादव और मीना सिसोदिया ने देकर श्रोताओं को आल्हादित किया. इस अवसर पर सीनियर आयोजक कमल चौहान एवं अनिता चौहान का अभिनंदन किया गया.

## ग्रामीणों के साथ किया पौधारोपण

इंदौर. आईटी कंपनी वाईजहाइव इंडिया ने अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ ग्राम सेजवानी में ग्रामवासियों के साथ पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया. बरसते पानी मे सभी ने बढ़चढ़कर स्वयं गड्ढे किये और पेड़ लगाए. कंपनी के ऑपरेशन्स हेड सुनील चतुर्वेदी ने कहा कि पौधारोपण एक महत्वपूर्ण गतिविधि है जो पर्यावरण को संतुलित और स्वस्थ बनाने में मदद करती है. पेड़ वायु प्रदूषण को कम करते हैं और ऑक्सीजन प्रदान करते हैं. पौधरोपण वर्षा को बढ़ावा देता है और जलवायु परिवर्तन को कम करने में मदद करता है. इस अवसर पर कंपनी के वरिष्ठ इंजीनियर अनुराग अग्रवाल, रोषित जैन, उपेंद्र जरिया, लखन राठौर और एडमिन के महेश रसाल, श्रेया सुरेश, अंशी झा, धर्मेश दीनदयाल ने कहा कि हम सभी वृक्षारोपण के महत्व को समझें और अपने पर्यावरण को बचाने के लिए मिलकर काम करें. कंपनी के सीईओ रविंदर गुजराल, और ऑपरेशन्स हेड सुनील चतुर्वेदी, सीनियर अधिकारी मीतेश झा और एच आर आस्था नागर ने इस कार्य के लिये सभी के योगदान की प्रशंसा की.

## पॉलीराज की डीलर कॉन्फ्रेंस संपन्न

इंदौर. देश की अग्रणी पाइप और वॉटर टैंक की मैनुफैक्चरिंग कम्पनी पॉलीराज पाइप्स ने इंदौर में लार्ज डीलर डिस्ट्रीब्यूटर कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें देश भर के लगभग 300 से ज्यादा डीलर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स ने भाग लिया. कम्पनी के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रवीण अग्रवाल ने बताया कि हाल ही में भारत सरकार के टेलीकॉम विस्तारीकरण के क्षेत्र भारत नेट-3 के तहत कई बड़े समूहों को, जिसमें रेल विकास निगम, पॉलीकेब और नागार्जुन कंस्ट्रक्शन शामिल हैं, को अगले तीन वर्षों तक अपने उत्पाद पी एल बी डक्ट का सप्लाई करेगी, जिसके अनुबंध हो चुके हैं. पॉलीराज प्लास्टिक के कई नए प्रोडक्ट्स का निर्माण करेगी ताकि एक छत के नीचे सभी उत्पादन उपलब्ध हो सकें. कम्पनी के डायरेक्टर द्वय आर्यमान राज अग्रवाल और अंशुमान राज अग्रवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के विज़न मेक इन इंडिया के तहत अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार करेगी और कहा कि शीघ्र ही उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में प्लांट लगाने की योजना है. डीलर्स के साथ हुई मीटिंग के प्रारंभ में मार्केटिंग हेड उमेश द्विवेदी ने समूह के बारे में विस्तार से जानकारी दी. अधिकतम विक्रय करने वाले डीलर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स को अवॉर्ड और प्रशस्ति पत्र दिए गए.

## बकैती का ट्रेलर रिलीज़!

इंदौर. कभी-कभी सबसे छोटे घरों में सबसे बड़ी कहानियाँ बसती हैं. इसी सच्चाई को अपनाते हुए जी5 अपनी नई स्लाइस-ऑफ-लाइफ ओरिजिनल सीरीज़ बकैती लेकर आ रहा है. डाइस मीडिया द्वारा निर्मित इस सीरीज़ से शीबा चड्ढा और राजेश तैलंग एक बार फिर माता-पिता की भूमिका में अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी कर रहे हैं. आज रिलीज़ हुए ट्रेलर में दोनों की सहज ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री की झलक देखने को मिलती है, जो देखने वालों के लिए एक खास अनुभव बन जाती है.

# कलेक्टर के वाहन को डंपर ने टक्कर मारी

झाबुआ। सोमवार सुबह कलेक्टर के शासकीय वाहन को एक तेज रफ्तार डंपर ने उनके निवास के बाहर टक्कर मार दी। घटना के समय वाहन में कलेक्टर नेहा मीणा मौजूद थीं। घटना में कलेक्टर सहित वाहन चालक और गनमैन को किसी प्रकार की कोई चोट नहीं आई। उक्त घटना तब घटित हुई जब कलेक्टर अपने निवास से कलेक्टर कार्यालय जाने के लिए वाहन में सवार होकर बाहर निकल रही थी, तभी एक तेज रफ्तार आ रहा डंपर अनियंत्रित होकर कलेक्टर के वाहन से टकरा गया। घटना में कलेक्टर के वाहन के एक तरफ का हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है। इस घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद सुरक्षा बलों ने स्थिति को नियंत्रण में लिया। उन्होंने डंपर को अपने कब्जे में लिया। इस घटना की खबर लगते ही प्रशासनीक भवन में कुछ समय के लिए हडकंप मच गया। घटना के बाद कलेक्टर नेहा मीणा कलेक्टर कार्यालय पहुंची और निर्धारित बैठकों में हिस्सा लिया। उधर पुलिस ने डंपर चालक के विरुद्ध लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने का मामला दर्ज कर उसे पकड लिया है।

### इस मार्ग पर फिर हादसा

अभी कुछ दिनों पूर्व ही वेयर हाउस के निकट एक टक के पलटने से उसमें भरी बोरियों में दबने से दो लोगों की मौत हो गई थी। वेयर हाउस के कर्मचारियों की तत्परता से अन्य लोगों को समय रहते बाहर निकाल लिया जिससे उनकी जाने बच गई। अब सवाल यह खडा होता है कि डंपर और भारी वाहन शहर के मध्य होकर क्यो गुजरते है, जबकी कायडावद के निकट से बायपास रोड बना हुआ है, बावजूद बडे और भारी वाहन शहर के मध्य से होकर प्रवेश कर रहे है। जिसकी ओर जिम्मेदारों का कोई ध्यान नही है। यदी समय रहते इस दिशा में कोई ठोस कदम नही उठाया तो कभी भी बडी घटना घटित हो इससे इंकार नही किया जा सकता है।

## कालीदेवी पुलिस ने सटोरियों के विरुद्ध की कार्रवाई

झाबुआ। पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ल द्वारा अवैध गतिविधियों जुआ सट्टा में लिप्त अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु लगातार निर्देशित किया जा रहा है। एसडीओपी रूपरेखा यादव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कालीदेवी जयराज सोलंकी के नेतृत्व में अवैध सट्टा एवं जुआ गतिविधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। कालीदेवी पुलिस टीम को सूचना प्राप्त हुई कि कालीदेवी कस्बे में मुकेश पिता थावरिया परमार, नि. नवापाड़ा (रोटला), मोबाइल व्हाट्सएप के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहा है। सूचना की पुष्टि एवं वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए, टीम गठित कर तत्काल दबिश दी गई। आरोपी मुकेश को मौके से गिरफ्तार कर, उसके कब्जे से 10,300 नगद राशि एवं एक मोबाइल फोन विधिवत जब्त किया गया। आरोपी द्वारा ऑनलाइन माध्यम से ग्रामीणों को सट्टे का प्रलोभन देकर आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाया जा रहा था। आरोपी के विरुद्ध धारा 4(क) सट्टा अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इस कार्यवाही में कालीदेवी थाना प्रभारी सोलंकी, सउनि बलरामसिंह सिंगाड, आर. कृष्णा डावर, राजेन्द्र, महिला प्रआर. शीला रावत एवं आर. राहुल बर्मन का सराहनीय योगदान रहा।

## कलेक्टर ने लंबित शिकायतों के निराकरण के निर्देश दिए

**झाबुआ। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा सोमवार को कलेक्टर सभाकक्ष में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली। कलेक्टर ने बैठक में सीएम हेल्पलाइन 181 पोर्टल पर दर्ज लंबित शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों के संतुष्टिपूर्वक निराकरण किये जाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने समग्र ई-केवायसी की समीक्षा कर पिछले तीन दिन में कम प्रगति होने पर सीईओ जनपद राणापुर को कारण बताओं सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिये। साथ ही सभी एसडीएम से लगातार समग्र ई-केवायसी की मॉनिटरिंग किये जाने के निर्देश दिये।**

इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने खाद्य विभाग के तहत ई-केवायसी की समीक्षा की। साथ ही प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित कर जल्द से जल्द ई-केवायसी पूर्ण करने के निर्देश दिये। साथ ही लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत निश्चित समय-सीमा में कार्य किये जाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने पीएमएफएमई योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य के विपरीत प्रकरणों की स्वीकृति के संबंध में समीक्षा की। कलेक्टर ने टमाटर क्लस्टर के तहत कार्य योजना बनाये जाकर कार्य करने के निर्देश दिये। बैठक में जिपं सीईओं जितेन्द्र सिंह चौहान ने स्कूली भवनों एवं आंगनवाड़ी भवनों की स्थिति एवं जर्जर होने पर रिपोर्ट कर डिस्मेंटल करने की कार्यवाही की जाने की बात कही। इस दौरान एसडीएम पेटलावद तनुश्री मीणा, सहायक कलेक्टर आशीष कुमार, संयुक्त कलेक्टर अक्षय सिंह मरकाम, एसडीएम थांदला तरुण जैन, मेघनगर रीतिका पाटीदार, झाबुआ भास्कर गाचले, डिप्टी कलेक्टर एचएस विश्वकर्मा, सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग सुप्रिया बिसेन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीएस बघेल एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

## मटकी फोड़ कार्यक्रम हेतु समिति का किया गठन

झाबुआ। श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति राजवाड़ा चौक झाबुआ के तत्वाधान में प्रतिवर्षअनुसार इस वर्ष भी दही हांडी फोड़ कार्यक्रम धूमधाम से मनाने के लिए 27 जुलाई को एक बैठक का आयोजन किया गया। मटकी फोड़ कार्यक्रम 16 अगस्त को मनाया जाएगा। इसके लिए सर्वानुमति समिति ने समाजसेवीयशवंत भंडारी को अध्यक्ष एवं चंदर सिंह चंदेल को महासचिव बनाया। कार्यक्रम की विशालता को देखते हुए आगामी 10 अगस्त को बड़ी बैठक का आयोजन किया गया है, जिसमें सर्व समाज के प्रतिनिधियों को बुलाकर मटकी फोड़ कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक नीरज राठौर ने बताया कि विगत 21 वर्षों से राजवाड़ा चौक पर मटकी फोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है जिसमें झाबुआ शहर के अलावा आसपास के ग्रामीणजन बड़ी संख्या में इस आयोजन को देखने के लिए आते हैं, जिसकी तैयारी को लेकर 27 जुलाई को पहली बैठक का आयोजन किया गया जिसमें कई महत्वपूर्ण कार्य योजना पर चर्चा की गई। सर्वानुमति से समाजसेवी भंडारी को इस वर्ष समिति का अध्यक्ष बनाया गया। महासचिव का दायित्व चंदेल को सौपा गया। बैठक के दौरान मटकी बांधने की तिथि, मटकी फोड़ की थीम, कृष्ण भक्तों की विशाल संख्या को देखते हुए उनकी सुरक्षा व्यवस्था, टीमों के लिए इनाम, पार्किंग व्यवस्था, प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों का कलर कोड जैसे अनेक विषयों पर चर्चा की गई जिसे अंतिम रूप 10 अगस्त को होने वाली बड़ी बैठक में दिया जाएगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि पूर्व वर्ष की भांति जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर पालिका, जिला अस्पताल, सिविल डिफेंस को पत्र देकर उनकी सेवाएं लेने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में कई अनेक बिंदुओं पर भी खुलकर चर्चा की गई। साथ ही यह तय किया गया कि 22वा श्री कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से कैसे मनाया जा सके और आमजन में कोई अच्छा संदेश क्या दिया जा सके इस पर भी विस्तृत चर्चा की गई। 10 अगस्त को होने वाली बैठक में इस पूरी कार्य योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा। बैठक में पूर्व विधायक जेवियर मेडा, राधेश्याम परमार, अब्दुल रहीम, प्रदीप अरोड़ा, अशोक शर्मा, मधुसूदन शर्मा, हार्दिक अरोड़ा आदि उपस्थित थे।

## विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

झाबुआ। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग को विभिन्न समस्याओं को लेकर आदिवासी छात्र संगठन के बैनर तले एक ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें बताया गया कि आदिवासी बाहुल्य झाबुआ जिले में महाविद्यालय में अध्ययनरत्न छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति अभी तक नहीं मिली है, जिस कारण उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है, छात्रवृत्ति का तुरंत भुगतान किया जाए। वही छात्रावासों में सीटों की संख्या में वृद्धि की जाए, जिससे दूरस्थ गांव के छात्रों को अध्ययन में सुविधा हो। छात्रावासों के लिए अतिरिक्त शिक्षक की नियुक्ति की जाने की मांग रखते हुए उक्त मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने का आग्रह किया। साथ ही उन्होने चेतावनी भी दी कि यदी हमारी उक्त मांगों को नजर अंदाज किया गया तो उन्हें उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होना पडेगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की रहेगी। ज्ञापन सौपने के अवसर पर आदिवासी विकास परिषद के जिलाध्यक्ष विनय भाबर, आदिवासी छात्र संगठन के जिलाध्यक्ष कमलेश परमार सहित बदनसिंह डामोर, राजेश भाबर, ईशाल चौहान, अर्जुन गणावा, राजेश भाबर, राहुल सिंगाड, पंकज पदहंक, महेश मेडा, दिलीप भूरिया, रितेश डुडवे, कोमल, मनीष, रिंकेश, बसंत, हरीश भाबर, प्रकाश बामनिया, महेश बामनिया आदि उपस्थित थे।

एक नजर — 300 गांवों से सात हजार युवाओं ने भाग लिया

# मेरा गांव मेरा तीर्थ के संकल्प के साथ निकलीं 14 कांवड़ यात्राएं

झाबुआ। श्रावण मास के पावन अवसर पर मेरा गांव मेरा तीर्थ के जयघोष के साथ शिवगंगा द्वारा आयोजित 11 कांवड़ यात्राएं जिलेभर में संपन्न हुई। इन यात्राओं में 300 गांवों से आए 7 हजार से अधिक युवाओं ने भाग लिया और अपने-अपने गांव के शिवलिंगों पर जल अर्पित कर यह संकल्प लिया कि वे अपने गांव को एक तीर्थ बनाकर रहेंगे। शिवगंगा संस्था विगत 25 वर्षों से श्रावण मास में कांवड़ यात्राओं के माध्यम से गांवों में भक्ति, सेवा और समर्पण का जागरण कर रही है। वर्ष 2007 में शिवगंगा द्वारा झाबुआ और अलीराजपुर के 1231 गांवों में शिवलिंगों की स्थापना की गई थी। उसी समय से एक शिवालय एक जलाशय के संकल्प के साथ जल-संवर्धन की एक क्रांतिकारी पहल प्रारंभ हुई, जो आज पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बन चुकी है।

पूर्व तैयारी और सहभागिता-कांवड़ यात्राओं की तैयारी एक माह पूर्व से प्रारंभ होती है। प्रत्येक गांव से युवाओं की टीमें बनती हैं, वे शुल्क देकर पंजीयन कराते हैं और कांवड़ यात्रा में सहभागी बनते हैं। यात्रा के मध्य में एक धर्मसभा का आयोजन होता है, जिसमें शिवगंगा के कार्यकर्ता युवाओं को अपने गांव को तीर्थ बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। 27 और 28 जुलाई को प्रमुख कांवड़ यात्राएं एवं धर्मसभाए हुई जिनमें पिटोल, केदारनाथ डैम, दाहोद केदारनाथ डैम परिसर, आजादनगर, झोतराड़ा मंडी, आजादनगर गांव, पारा, देवझिरी, धरमपुरी, झाबुआ, देवझिरी, पैलेस गार्डन झाबुआ, कल्याणपुरा, दूधेश्वर महादेव मंदिर, राणापुर, अंधारवाड़, अंतरवेलिया, दूधेश्वर महादेव मंदिर, रंभापुर, पीपलखुटा मंदिर, पीपलखुटा, मदरानी, बाबा कोकिंदा देव, मदरानी, थांदला, शिवसागर, शिवसागर, उमरकोट, भीमकुंड, बरवेट, माही नदी, शृंगेश्वर महादेव मंदिर, रोटला, भादवीया डूंगर रोटला मंदिर शामिल है। आगामी सोमवार को भी 16 कांवड़ यात्राएं आयोजित की जाएंगी। इस वर्ष कुल मिलाकर 33 कांवड़ यात्राओं का आयोजन होगा।

### क्या होता है तीर्थ गांव'

शिवगंगा द्वारा प्रस्तुत तीर्थ गांव की परिकल्पना केवल धार्मिक तीर्थ नहीं, बल्कि समग्र समृद्धि का जीवन दर्शन है। जहां भरपूर जल हो, घना व संरक्षित जंगल हो, जहरमुक्त जमीन माता हो, स्वस्थ पशुधन हो, हर घर में फलदार पौधे हों और सद्भावपूर्वक, सहयोग से रहनेवाले लोग हों, पूजा नहीं, सेवा है समृद्धि का मार्ग। भील समाज जल को जल्हण देवी, जंगल को सावन माता, ज़मीन को धरती माता, जानवरों को गौमाता और शिव को बाबा देव के रूप में पूजता है। शिवगंगा मानती है कि केवल पूजा से नहीं, बल्कि इन सभी मातृ-तत्वों की सेवा और संवर्धन से ही वास्तविक समृद्धि प्राप्त हो सकती है।